दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : *dnpggkp@gmail.com*
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांकः 11.05.2026

प्रकाशनार्थ

दिनांक 11.05.2026 गोरखपुर। आज दिनांक 11 मई, 2026 को दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज के कैम्पस प्लेसमेंट एवं कैरियर काउंसलिंग सेल द्वारा एक प्रभावशाली कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बी.एससी., बी.सी.ए. एवं बी.कॉम छठवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों को उनके भविष्य की दिशा निर्धारित करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. नरेश त्रिखा, सदस्य बोर्ड ऑफ गवर्नर, एक्सिस कॉलेज उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्नातक के बाद सही संस्थान एवं उपयुक्त पाठ्यक्रम का चयन जीवन के सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक होता है, जो उनके संपूर्ण कैरियर को दिशा देता है।

अपने वक्तव्य में डॉ. त्रिखा ने विद्यार्थियों को समझाया कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी युग में केवल शैक्षणिक डिग्री ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि कौशल विकास, तकनीकी दक्षता, संचार कौशल तथा व्यक्तित्व विकास भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने रुचि क्षेत्र, योग्यता एवं भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए ही प्रवेश का निर्णय लेना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि किसी भी संस्थान का चयन करते समय उसकी मान्यता, प्लेसमेंट रिकॉर्ड, अनुभवी फैकल्टी, इन्फ्रास्ट्रक्चर, इंटर्नशिप के अवसर एवं उद्योग से जुड़ाव जैसे पहलुओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

डॉ. त्रिखा ने स्नातक के बाद उपलब्ध विभिन्न कैरियर विकल्पों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि बी. एससी. एवं बी.सी.ए. के विद्यार्थियों के लिए एमसीए, एमएससी (आईटी/कंप्यूटर साइंस), डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में व्यापक संभावनाएं हैं, जबकि बी.कॉम एवं अन्य विद्यार्थियों के लिए एमबीए, एम.कॉम, सीए, सीएस एवं सीएमए जैसे प्रोफेशनल कोर्सेस बेहतर कैरियर के विकल्प प्रदान करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि जो विद्यार्थी सरकारी सेवाओं में जाना चाहते हैं, उनके लिए यूपीएससी, एसएससी, बैंकिंग एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाएं महत्वपूर्ण विकल्प हैं।

उन्होंने विशेष रूप से स्टार्टअप एवं उद्यमिता के क्षेत्र पर बल देते हुए कहा कि आज का समय केवल नौकरी प्राप्त करने का ही नहीं, बल्कि स्वयं रोजगार सृजित करने का भी है। एक्सिस कॉलेज द्वारा विद्यार्थियों को स्टार्टअप के लिए मेंटरशिप, इन्क्यूबेशन, प्रशिक्षण एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं, जिससे विद्यार्थी अपने नवाचार को सफल व्यवसाय में परिवर्तित कर सकते हैं।

एमसीए एवं एमबीए के बाद कैरियर संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि एमसीए के पश्चात विद्यार्थी सॉफ्टवेयर इंजीनियर, डेटा साइंटिस्ट, सिस्टम एनालिस्ट एवं आईटी कंसल्टेंट जैसे पदों पर कार्य कर सकते हैं, वहीं एमबीए के बाद मार्केटिंग, फाइनेंस, ह्यूमन रिसोर्स एवं बिजनेस एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में उच्च पदों पर कार्य करने के अवसर प्राप्त होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बहुराष्ट्रीय कंपनियां योग्य एवं कुशल विद्यार्थियों को आकर्षक वेतन पैकेज प्रदान कर रही हैं, इसलिए विद्यार्थियों को अपने कौशल को निरंतर विकसित करना चाहिए।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. त्रिखा ने सफलता के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए, जिनमें लक्ष्य निर्धारण, समय प्रबंधन, सकारात्मक सोच, डिजिटल स्किल्स का विकास एवं व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करना शामिल है। उन्होंने कहा कि निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं सही मार्गदर्शन से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है।

कार्यक्रम का संचालन एवं स्वागत डॉ. पवन कुमार पाण्डेय, विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान एवं प्लेसमेंट सेल संयोजक द्वारा किया गया। उन्होंने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में आभार ज्ञापन डॉ. मुदित दुबे द्वारा किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण डॉ. दीपक साहनी, डॉ. कौशल प्रताप सिंह, लक्ष्मण थापा एवं गीता थापा सहित कुल 215 विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की और कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रश्न पूछकर अपने कैरियर से जुड़े संदेहों का समाधान भी प्राप्त किया।

कार्यक्रम की जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ. शैलेश कुमार सिंह द्वारा दी गई। यह कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ और उन्हें अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क